अब नौकरी देना यूपी के युवा का लक्ष्य : योगी

31,542 एमएसएमई इकाइयों को सीएम ने दिए 2,505.58 करोड़ रुपये

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को एक साथ 31,542 सूक्ष्म, छोटे व मझोले उद्योगों को विस्तार के लिए 2505.58 करोड़ का ऋण दिया। साथ ही एक जिला-एक उत्पाद योजना के तहत चिह्नित उत्पादों के उत्पादन से लेकर बिक्री तक में मदद के लिए विशेष पोर्टल की शुरुआत की। इस मौके पर उन्होंने कहा कि आज प्रदेश में युवा नौकरी के पीछे भागने के बजाय नौकरी देने की सोच के साथ अपना लक्ष्य तय कर रहा है।

ऑनलाइन स्वरोजगार संगम के इस मौके पर मुख्यमंत्री ने अपने सरकारी आवास पर कहा कि ऐसे ही ऋण मेले अगले एक माह में सभी

महिला उद्यमी को चेक देते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

75 जिलों में आयोजित किए जाने चाहिए। रोजगार सृजन कार्यक्रम, मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जिला-एक उत्पाद जैसी योजनाओं ने युवाओं को बड़ा सहारा दिया है। स्वरोजगार के कार्यक्रमों में महिलाओं-बेटियों ने खूब उत्साह दिखाया है। वैसे भी लखनऊ की चिकनकारी में महिलाओं की भूमिका हमेशा से ही रही है। प्रधानमंत्री ने जिस 'आत्मनिर्भर भारत' की परिकल्पना की है, युवाओं के ऐसे प्रयास ही उसका आधार हैं।

योगी ने कहा कि बीते साल कोरोना की पहली लहर के दौरान हमारे सामने 40 लाख प्रवासी श्रमिकों की जीविका को सुरक्षित करने की चुनौती थी। एमएसएमई इकाइयों ने इस दिशा में बहुत सराहनीय कार्य किया। बीते वर्ष भी करीब 34 हजार एमएसएमई इकाइयों को वित्तीय सहायता दी गई थी। कोविड की दूसरी लहर के नियंत्रण में आते ही फिर से उद्योगों को ऋण उपलब्ध कराने का कार्यक्रम हो रहा है।

नौ जिलों में सीएफसी की आधारशिला

मुख्यमंत्री ने बुधवार को गाजियाबाद, मैनपुरी, मऊ, मिर्जापुर, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, आगरा, मुरादाबाद और भदोही में प्रस्तावित कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का शिलान्यास किया। 79 करोड़ 54 लाख के खर्च से तैयार होने वाले इन केंद्रों पर उद्यमियों को ओडीओपी योजना के तहत चिह्नित उत्पादों के लिए कच्चा माल, डिजाइन, उत्पादन प्रक्रिया, गुणवत्ता सुधार, अनुसंधान एवं विकास, पर्यावरण एवं ऊर्जा संरक्षण और पैकिजिंग की सुविधाएं मिल सकेंगी। इसके अलावा सीएम ने https://diupmsme.upsdc.gov.in/en पोर्टल का भी शुभारंभ किया।

चर्चा में ओडीओपी : सिद्धार्थनाथ

एमएसएमई मंत्री सिद्धार्थनाथ सिंह ने कहा कि बीते चार वर्षों में प्रदेश के एमएसएमई सेक्टर ने बड़ी ऊंचाइयां हासिल की हैं। सीएम योगी के अभिनव प्रयोग ओडीओपी की चर्चा न केवल देश, बल्कि विदेश में भी हो रही है। इससे पहले एसीएस नवनीत सहगल ने विभागीय गतिविधियों के बारे में संक्षिप्त जानकारी दी।